निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बीएसईएस ओएंडएम टीमें हाई अलर्ट पर

उपभोक्ताओं से अनुरोध ग्रिडों, सब–स्टेशनों और ट्रांसफॉर्मरों के आसपास पटाखे न जलाएं

नई दिल्लीः 9 नवंबर, 2012। बीवाईपीएल और बीआरपीएल ने अपने उपभोक्ताओं से बिजली के ग्रिडों, सब–स्टेशनों व ट्रांसफॉर्मरों के आसपास पटाखे न जलाने की अपील की है। पटाखों से निकली चिंगारियों की वजह से इनमें आग लग सकती है। अगर ग्रिड में आग लगती है, तो करीब 1 लाख लोगों की बिजली गुल हो सकती है। यदि 33/66 केवी की एक लाइन जलती है, तो करीब 10,000 लोगों की बिजली ठप होगी और 11 केवी की एक लाइन जलने पर 2500 लोगों की बिजली आपूर्ति प्रभावित होगी। कानून के मुताबिक भी यह दंडणीय अपराध है। बिजली आपूर्ति में बाधा पहुंचाना और बिजली के उपकरणों को क्षतिग्रस्त करना कानूनन जुर्म है।

बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने अपने 28 लाख से अधिक उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि दिवाली का जश्न जरूर मनाएं, लेकिन बिजली के उपकरणों के आसपास पटाखे न छोड़ें। यह भी सुनिश्चित करें कि आपके द्वारा छोड़े गए पटाखे बिजली उपकरणों पर जाकर न गिरें। वैसे, बीएसईएस कंपनियों का कहना है कि दिवाली रोशनी का त्योहार है, इसलिए रोशनी जलाकर ही इसे सेलिब्रेट करें, तो अच्छा है क्योंकि पटाखों से प्रदूषण बढ़ता है और दिल्ली की आबोहवा खराब होती है।

बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने अपनी सभी ओएंडएम टीमों और अपने स्काडा सिस्टम को हाई अलर्ट पर रखा है। ओएंडएम कर्मियों से दीवाली और उसके आसपास छुट्टियां न लेने को कहा गया है, ताकि उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। उन्हें किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा गया है।

ओएंडएम टीमों के सभी कर्मियों को संचार के अत्याधुनिक नेटवर्क से जोड़ा गया है। जैसे ही हेल्पलाइन नंबर पर किसी उपभोक्ता की कॉल आएगी, वह कॉल तुरंत संबंधित एरिया के इंजीनियर व लाइनमैन के पास चली जाएगी। इसके बाद, प्रभावित इलाके की बिजली अविलंब बहाल कर दी जाएगी।

बीवाईपीएल और बीआरपीएल ने अपने सभी पावर रेस्टोरेशन गाड़ियों को रोड पर उतार दिया है। रिजर्व में रखे पावर रेस्टोरेशन वैनों को भी दिवाली के दिनों में फील्ड में रहने के निर्देश दिए गए हैं।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

.....